प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email: helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, एस.बी.एस.मार्ग, मुंबई-400001

Department of Communication, Central Office, S.B.S.Marg, Mumbai-400001
फोन/Phone: 022- 22660502

13 जनवरी 2021

वीडियो कॉन्फ्रेंस पर एफ़एसडीसी उप-समिति की 26 वीं बैठक

वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति की बैठक आज (13 जनवरी 2021) मुंबई में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई। श्री शक्तिकान्त दास, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में उप-समिति के सदस्य- श्री अजय त्यागी, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी); डॉ. सुभाष चंद्र खूंटिया, अध्यक्ष, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ; श्री सुप्रतिम बंद्योपाध्याय, अध्यक्ष, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफ़आरडीए); डॉ एम. एस. साहू, अध्यक्ष, भारतीय दिवालिया एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई); श्री इंजेती श्रीनिवास, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफ़एससीए), श्री देबाशीष पांडा, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग; श्री राजेश वर्मा, सचिव, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय; श्री अजय प्रकाश साहनी, सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन, मुख्य आर्थिक परामर्शदाता; डॉ. शशांक सक्सेना, सचिव, वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद; रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर- श्री बी.पी. कानूनगो, श्री महेश कुमार जैन और डॉ. माइकल देवव्रत पात्र, श्री एम. राजेश्वर राव, तथा रिज़र्व बैंक के कार्यपालक निदेशक डॉ. ओ.पी.मल्ल उपस्थित थे।

उप-समिति ने वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वित्तीय बाजारों के प्रमुख गतिविधियों की समीक्षा की जो वित्तीय स्थिरता पर प्रभाव डालती है। उप-समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ, आईबीसी के तहत दिवालिया समाधान में सुधार की गुंजाइश, सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री के साथ डेटा के उपयोग और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफ़एससी) में स्थापित वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) से संबंधित नियामक ढांचे में बदलाव पर चर्चा की। उप-समिति ने उनके दायरे में आने वाले विभिन्न तकनीकी समूहों की गतिविधियों और विभिन्न राज्यों / संघशासित प्रदेशों में राज्य स्तरीय समन्वय समितियों (एसएलसीसी) के कार्यकलापों की भी समीक्षा की। नियामकों ने वित्तीय स्थिरता के लिए उभरती चुनौतियों के प्रति सतर्क और सवाधान रहने के अपने संकल्प की फिर से पुष्टि की।

(योगेश दयाल)
मुख्य महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी: 2020-2021/936